B-3
L-21
Indian Society

21/12/2023

संयुक्त परिवार के अर्थ एवं लक्षण

⇩

संयुक्तता की भावना से ओत-प्रोत एक ऐसा परिवार जिसमें दो से अधिक पीढ़ी के लोग साथ-साथ रहते हैं, संयुक्त परिवार कहलाता है।

उपरोक्त परिभाषा के आधार पर संयुक्त परिवार के निम्न लक्षणों की चर्चा की जा सकती है-

1. संयुक्तता की भावना
2. दो से अधिक पीढ़ी के लोगों का साथ-साथ रहना
3. सामान्य निवास
4. सामान्य रसोई (सहभोजिता)
5. सामान्य संपत्ति
6. सामान्य पूजा पद्धति
7. पर्व-त्योहारों में सबकी सहभागिता
8. मुखिया की सत्ता सर्वोपरि

संयुक्त परिवार के संयुक्तता के निर्धारक-

1. सामान्य निवास

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

2. सहभोजिता
3. सामान्य संपत्ति
4. सामान्य पूर्वज पूजा
5. भारतीय परंपरा में निहित सामूहिकता, सहिष्णुता एवं त्याग की भावना

संयुक्त परिवार के लाभ या प्रकार्य-

1. बच्चों का पालन-पोषण
2. प्रारंभिक शिक्षा एवं सामाजीकरण
3. संस्कृति एवं परम्परा का हस्तांतरण एवं निरंतरता
4. कमजोर सदस्यों को सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा
5. सामाजिक नियंत्रण एवं अनुशासन
6. स्वस्थ मनोरंजन
7. पूंजी निर्माण में सहायक

संयुक्त परिवार के हानि / दोष

1. स्वतंत्र व्यक्तित्व के विकास में बाधक
2. उद्यमशीलता एवं कुशलता में बाधक
3. निकम्मों की संख्या में वृद्धि
4. श्रम की गतिशीलता में बाधक
5. स्त्रियों की निम्न स्थिति के लिए उत्तरदायी
6. जनसंख्या वृद्धि में सहायक

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

संयुक्त परिवार में आधुनिक परिवर्तन

A. भूमिका -

1. भारतीय परिवार के रूप में संयुक्त परिवार का तात्पर्य...

2. आधुनिकीकरण के वर्तमान दौर में भारतीय परिवार के संरचना एवं प्रकार्यों में काफी बदलाव आया है। जैसे -

⇩

B संयुक्त परिवार में आधुनिक परिवर्तन -

a. संरचना में परिवर्तन

1. एकाकी परिवार का उद्भव
2. नवस्थानीय परिवार की संख्या में वृद्धि
3. मुखिया की सत्ता का विकेन्द्रीकरण
4. निर्णय प्रक्रिया में परिवार के अन्य सदस्यों की सहभागिता में वृद्धि
5. स्त्रियों की आर्थिक निर्भरता में कमी एवं प्रस्थिति में सुधार (Status)
6. अवसरों एवं पुरस्कारों का वितरण परिवार के बजाय वैयक्तिक गुणों के आधार पर
7. संयुक्तता की भावना के विस्तार क्षेत्र में

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
© KHAN SIR

कमी

b. अंतः पारिवारिक संबंधों में परिवर्तन

1. माता - पिता एवं बच्चों के संबंध समानतायुक्त एवं मित्रवत

2. बच्चों द्वारा माता - पिता के निर्णयों का विरोध प्रारंभ

3. पति - पत्नी के मध्य निकटता में वृद्धि एवं संबंधों में समानता का विकास

4. सास की सत्ता में कमी और बहू की स्वतंत्रता में वृद्धि (कहीं-कहीं सास पर बहू भारी)

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR